>

Title: Need to include Bharatpur in Rajasthan in Brij Tourist circuit.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): मेरा संसदीय क्षेत्र भरतपुर प्राचीन काल व द्वापर युग में निर्मित कई धार्मिक स्थल व भगवान श्री कृष्ण द्वारा द्वापर युग में की गई क्रीड़ाओं के धार्मिक चिन्ह आज भी श्रद्धालुओं व पर्यटकों को उनकी धार्मिक आस्था से जोड़े हुए हैं साथ ही यहां के शासकों द्वारा निर्मित भवन व अन्य स्मारक भी पर्यटकों को लुभाते रहे हैं। भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी अभ्यारण्य स्थल विदेशों से आए पर्यटकों को आकर्षित करता है। भरतपुर का किला व सौन्दर्यपूर्ण एवं शुद्ध जल आपूर्ति वाली सुजानगंगा, डीग में चारों तरफ झील वाला जलमहल व बयाना का किला एवं ऊषा मंदिर, वेर में किला व फुलवारी इत्यादि स्थलों पर देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। भरतपुर से 25 किलोमीटर स्थित खानवा का प्रसिद्ध मैदान राणा सांगा व बाबर की युद्धभूमि है। भरतपुर के रूपवास में अकबर द्वारा बनाया गया तालाब भी यहां पर है जहां पर पर्यटक काफी संख्या में आते हैं। भरतपुर का अधिकांश भाग ब्रज क्षेत्र में पड़ता है। ब्रज चौरासी की परिक्रमा में भरतपुर के डीग, कामा और आसपास के मंदिर क्षेत्र आते हैं। डीग क्षेत्र में चारों धाम आदिबद्रीजी, केदार नाथ जी, गंगोत्री, जमुनौत्री, कामा क्षेत्र में भोजन, थाली, चरण पहाड़ी भगवान कृष्ण की अनेक लीलाओं से जुड़ी हुई है। भरतपुर के परमदरा में श्री कृष्ण द्वारा निर्मित सुदामा महल भी है। गोवर्धन, मथुरा, वृंदावन, गोकुल, नंदगांव एवं बरसाना भरतपुर के साथ सटे हुए हैं। भरतपुर का चयन यूनेस्को की क्रिएटिव सिटिज नेटवर्क प्रोजेक्ट के तहत किया गया है।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर भरतपुर जिले को ब्रज सर्किट पर्यटन के अंतर्गत जोड़ा जाए जिससे कृष्ण भक्त लोग इसका फायदा उठा सकें एवं उन्हें आने-जाने की सुविधा प्राप्त हो सके। इसके साथ भरतपुर में स्थित अनेक ऐतिहासिक इमारतें एवं किलों का रखरखाव समुचित ढंग से हो सके।